भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2786
बुधवार, 3अगस्त, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

कृषि मौसम पूर्वानुमान सेवाएं

†**2786. श्रीमती पूनमबेन माडम:**

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार किसानों के लिए कृषि मौसम पूर्वानुमान सेवाओं में सुधार के लिए कदम उठा रही है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) जमीनी स्तर पर सटीक मौसम पूर्वानुमान प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी के आधुनिकीकरण और और उन्नयन का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क)-(ख) जी, हां। भारत मौसम विज्ञान विभाग देश में कृषक समुदाय के लाभ हेतु ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (GKMS) स्कीम नामक एक सक्रिय कृषि मौसम विज्ञान परामर्शिका सेवाएं (AAS) संचालित करता है। GKMS स्कीम के अन्तर्गत, जिला एवं ब्लॉक स्तर पर मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान सृजित किया जाता है, तथा उस पूर्वानुमान के आधार पर राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के संस्थानों, तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) आदि में स्थित 130 एग्रोमेट फील्ड यूनिट्स (AMFUs) अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले जिलों के लिए तथा उनकी लोकेशन के जिले के ब्लॉकों के लिए प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को कृषि मौसम परार्शिकाएं तैयार करके किसानों को भेजते हैं, ताकि किसानों को उनके दैनिक कृषि कार्यों में सहायता मिले। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली कृषि मौसम विज्ञान परामर्शिका सेवा का उद्देश्य मौसम-आधारित फसल एवं पशुधन प्रबन्धन कार्यनीतियां एवं प्रचालन तैयार करना है, ताकि फसल उत्पादन एवं खाद्य सुरक्षा को बेहतर बनाने के साथ ही असामान्य मौसम के कारण फसल को होने वाली क्षति और हानि को कम किया जा सके।

जिला स्तरीय AAS के सफल कार्यान्वयन के पश्चात, ब्लॉक स्तरीय कृषिमौसम परामर्शिका सेवाओं (AAS) के कार्यान्वयन हेतु ICAR के सहयोग से कृषि विज्ञान केंद्रों (KVKs) में जिला कृषिमौसम इकाईयां (DAMUs) स्थापित की जा रही हैं। अभी तक, ICAR नेटवर्क के अन्तर्गत देशभर के कृषि विकास केन्द्रों में 199 जिला कृषि मौसम इकाईयां (DAMUs) स्थापित की गई हैं, तथा ये DAMUs अपने-अपने जिलों हेतु जिला एवं ब्लॉक स्तरीय मौसम पूर्वानुमानों के आधार पर जिला एवं ब्लॉक स्तरीय कृषिमौसम परामर्शिकाएं जारी करते हैं, तथा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को किसानों को प्रेषित करते हैं। इसके अतिरिक्त, देश के विभिन्न राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों के विभिन्न जिलों में प्रतिकूल मौसम चेतावनी के आधार पर AMFUs तथा DAMUs द्वारा प्रभाव आधारित पूर्वानुमान (IBFs) भी तैयार किया जाता है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग वर्षा की स्थिति और मौसम की गड़बड़ियों की निगरानी करता है और GKMS योजना के अन्तर्गत समय-समय पर किसानों को अलर्ट और चेतावनियां जारी करता है। चरम मौसम घटनाओं के लिए SMS आधारित अलर्ट तथा चेतानियों के साथ ही उपर्युक्त सुधार उपाय जारी किए जाते हैं, ताकि किसान सही समय पर जरूरी कदम उठा सकें। आपदा के प्रभावी प्रबन्धन हेतु इन अलर्ट एवं चेतावनियां को राज्य कृषि विभाग के साथ भी साझा किया जाता है।

किसानों तक कृषि मौसम परामर्शिकाएं पहुंचाने के लिए विविध प्रसार प्रणालियों - जैसे कि प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, दूरदर्शन, रेडियो, इन्टरनेट, मोबाइल फोन पर SMS तथा किसान पोर्टल, और साथ ही सरकारी निजी साझेदारी (PPP) मोड के अन्तर्गत निजी कम्पनियों का प्रयोग किया जाता है। SMS प्राप्त करने वाले किसानों की संख्या इस बात पर निर्भर करती है कि कृषक समुदाय की जनसंख्या कितनी है तथा वे कितने क्षेत्रफल में कृषि कर रहे हैं।

किसानों को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार के 'मेघदूत' नामक मोबाइल ऐप पर अपने जिले विशेष की कृषि मौसम परामर्शिकाएं और चेतावनी समेत मौसम सूचना मिल जाती हैं। किसान ये मौसमी जानकारियां 'किसान सुविधा' नामक एक अन्य मोबाइल ऐप के माध्यम से भी प्राप्त कर सकते हैं, यह ऐप कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने लॉन्च किया है।

किसानों तक पूर्वानुमान एवं परामर्शिकाओं के त्वरित प्रसार हेतु सोशल मीडिया का प्रयोग भी किया जाता है। वर्तमान में 16,140 व्हाट्सऐप समूहों के माध्यम से 3,598 ब्लॉक के 1,19,554 गांवों के किसानों को कवर किया गया है। इन व्हाट्सऐप समूहों में जिला एवं ब्लॉक स्तर के राज्य कृषि विभाग अधिकारियों को भी शामिल किया गया है। व्हाट्सऐप के माध्यम से कृषिमौसम परामर्शिकाएं प्रसारित किए जाने वाले गाँवों तथा किसानों की संख्या बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, AMFUs एवं DAMUs द्वारा बनाए गए विभिन्न फेसबुक पेजों के माध्यम से भी परामर्शिकाएं प्रसारित की जाती हैं। राज्य सरकार के मोबाइल ऐप्स एवं वेबसाइट्स के साथ मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि मौसम परामर्शिकाओं के एकीकरण हेतु राज्य सरकारों के साथ सहयोग सम्बन्धी पहल की गई हैं। बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, नगालैंड, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तराखण्ड राज्यों में एकीकरण पूरा किया जा चुका है, तथा उपर्युक्त राज्यों के 6 मिलियन किसानों को मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि मौसम परामर्शिकाओं से लाभ मिल रहा है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग देश के विभिन्न भागों में AMFU और DAMU के साथ मिलकर कृषक जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करके कृषक समुदायों के बीच में इस सेवा को लोकप्रिय बनाने के लिए सतत प्रयास कर रहा है। AMFU और DAMU के विशेषज्ञों के साथ भारत मौसम विज्ञान विभाग भी किसान मेला, किसान दिवस आदि में सहभागिता करता है, जिससे सेवाओं के बारे में जागरुकता फैलायी जा सके ताकि अधिकतम किसानों को उनका लाभ मिल सके।

(ग) देशभर में मौसम एवं जलवायु सेवाओं में सुधार तथा पूर्वानुमान क्षमताओं के साथ ही कृषि मौसम परामर्शिका सेवाओं में उन्नयन करने के लिए अक्रॉस नामक सर्वसमावेशी केन्द्रीय क्षेत्र स्कीम के अन्तर्गत भारत मौसम विज्ञान विभाग में विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अक्रॉस के अन्तर्गत भारत मौसम विज्ञान विभाग की 4 उप-योजनाएं हैं, इनके नाम हैं - वायुमंडलीय प्रेक्षण नेटवर्क (AON), पूर्वानुमान प्रणाली का उन्नयन (UFS), मौसम और जलवायु सेवाएं (WCS), पोलैरिमेट्रिक डॉपलर मौसम रडार (PDWR) को चालू करना - इनका उद्देश्य प्रेक्षणात्मक नेटवर्क का विस्तार करना, तथा मौसम जलवायु सेवाओं में सुधार करना है।

****